UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY, HALDWANI (NAINITAL)

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी (नैनीताल)

बी०ए० तृतीय वर्ष (सत्रीय कार्य)

(जमा करने की अन्तिम तिथि:) 15 **मई** 2013

कोर्स शीर्षक: आधुनिक काव्य **कोर्स कोड :**एच0डी0-05

अधिकतम अंक – 40 **Maximum Marks:** 40

सत्र– 2012-13 **Year:** 2012-13

भाग 'क'

भाग 'क' में आठ लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये है, इनमें से केवल चार प्रश्नों के उत्तर देने है। प्रत्येक प्रश्न के लिए *पांच* अंक निर्धारित है, तथा प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक नही होना चाहिए।

1. निम्न में से किसी एक पद्यांश की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिये

(क) अहे निष्ठुर परिवर्तन , तुम्हारा ही तांडव नर्तन
विश्व का करूँ विवर्तन ,तुम्हारा ही नयनोन्मीलन
निखिल उत्थान, पतन ,अहे वासुकी सहस्र फन

(ख) धीरे-धीरे फिर बढ़ा चरण ,बाल्य के कलियों का प्रांगण
कर पार,कुञ्ज-तारुण्य सुघर ,आई, लावण्य भार थर-थर
कांपा कोमलता पर सस्वर ,ज्यों मालकोश नव वीणा पर

2. हिन्दी साहित्य के सन्दर्भ में आधुनिकता का स्वरुप स्पष्ट कीजिये।
3. कविवर पन्त की काव्यभाषा पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
4. 'ब्रह्मराक्षस' कविता में व्याप्त आत्मसंघर्ष और ट्रेजेडी का सोदाहरण विवेचन कीजिये।
5. नरेश मेहता का संक्षिप्त जीवन परिचय लिखिए।
6. कुआनों नदी कविता की काव्य-भाषा पर अपने विचार व्यक्त कीजिये।
7. संक्षेप में 'प्रवाद पर्व' के भावपक्ष पर प्रकाश डालिए।
8. 'दो चट्टाने' कविता के शिल्प-विधान का विश्लेषण कीजिए।

भाग 'ख'

भाग 'ख' में चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये है, इनमें से केवल दो प्रश्नों के उत्तर देने है। प्रत्येक प्रश्न के लिए *दस* अंक निर्धारित है।

1. आधुनिक काव्य की पृष्ठभूमि को स्पष्ट करते हुए आधुनिक हिन्दी काव्य के प्रारम्भ एवं विकास पर प्रकाश डालिए।

2. महाकवि सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' का सम्पूर्ण जीवन एवं साहित्यिक परिचय देते हुए 'सरोज स्मृति' के अभिव्यंजना पक्ष का समीक्षात्मक विवेचन कीजिए।
3. 'ब्रह्मराक्षस' कविता के आधार पर मुक्तिबोध के आत्मसंघर्ष , फैंटेसी एवं भाषिक शिल्प का सोदाहरण विश्लेषण कीजिए।
4. 'प्रवाद पर्व' नई कविता की महत्त्वपूर्ण कृति है। उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।